भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3412

जिसका उत्तर 12.03.2026 को दिया जाना है

परवाणू-शिमला चार-लेन परियोजना

3412. श्री सुरेश कुमार कश्यप:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) परवाणू-शिमला चार लेन की परियोजना के लिए कुल कितनी धनराशि स्वीकृत की गई है और इसमें अब तक कितनी वास्तविक और वित्तीय प्रगति हुई है तथा शेष कार्य और खंडों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त परियोजना के विभिन्न खंडों में निर्माण में विलंब के मुख्य कारण क्या हैं और शेष कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या प्रत्येक मानसून ऋतु के दौरान परवाणू-शिमला मार्ग पर भूस्खलन, जलभराव और सड़क क्षति के कारण यातायात बार-बार बाधित होता है जिससे स्थानीय जीवन, पर्यटन, व्यापार और आपातकालीन सेवाएं प्रभावित होती हैं; और

(घ) यदि हां, तो क्या ढलान स्थिरीकरण, उन्नत जल निकासी प्रणालियों, स्थायी संरचनाओं और आपदा प्रतिरोधी उपायों के माध्यम से स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के लिए कोई एकीकृत कार्य योजना कार्यान्वित की जा रही है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) विवरण अनुलग्नक के रूप में दिया गया है।

(ग) वर्ष 2023 में अप्रत्याशित बारिश के दौरान राजमार्ग काफी बाधित हो गया था। तथापि, यातायात के आवागमन को बहाल करने के लिए राजमार्ग से भूस्खलन को तत्काल हटा दिया गया था। राजमार्ग अन्यथा मानसून के मौसम में 4 लेन यातायात के लिए खुले रहते हैं, सिवाय कुछ अलग-अलग स्थानों को छोड़कर जहां भारी बारिश और क्षेत्र के खराब भूविज्ञान द्वारा उत्पन्न भूस्खलन के कारण यातायात 2 लेन में चलता है।

(घ) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने परवाणू-सोलन-कैथलीघाट के बीच कुल 85 संवेदनशील स्थानों की पहचान की है और इनमें से 65 स्थानों पर स्थायी दीर्घकालिक ढलान सुरक्षा कार्य पहले ही पूरा हो चुका है और शेष स्थानों पर कार्य प्रगति पर है।

"परवाणू-शिमला चार-लेन परियोजना" के संबंध में श्री सुरेश कुमार कश्यप द्वारा पूछे गए दिनांक 12.03.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 3412 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)	परियोजना की वास्तविक प्रगति(%)	परियोजना की वित्तीय प्रगति (%)	वर्तमान स्थिति	विलंब के कारण	परियोजना में तेजी लाने के लिए उठाए गए कदम
1	हिमाचल प्रदेश राज्य में ईपीसी आधार पर एनएचडीपी चरण-III के तहत परवाणू-सोलन खंड एनएच-22 (नया एनएच-05) पर किमी 67.000 से किमी 106.139 तक चार लेन का निर्माण।	1683.31	100	100	कार्य पूर्ण		समय-समय पर राज्य सरकार/स्थानीय प्रशासन और हितधारकों के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं ताकि काम में देरी होने वाले मुद्दों को हल किया जा सके।
2	हिमाचल प्रदेश राज्य में ईपीसी मोड पर एनएचडीपी चरण-III के तहत एनएच-22 (नया एनएच-05) के सोलन-कैथलीघाट पर किमी 106.139 से किमी 129.050 तक चार लेन का निर्माण।	1519.53	91.05	86.03	24.11.2025 को पीसीसी जारी		
3	हिमाचल प्रदेश राज्य में हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर कैथलीघाट से शकराल गांव (डिजाइन लंबाई-किमी 17.465 के लिए शिमला बाईपास पैकेज-I पर किमी 128+835 से	2742.91	53	51.5	कार्य प्रगति पर	1. 2023 और 2025 में अभूतपूर्व भारी वर्षा की अप्रत्याशित घटना। 2. स्थानीय लोगों द्वारा बाधा डालने के	

	किमी 146+300 तक) एनएच-5 को चार लेन का बनाना।					कारण 02 डंपिंग स्थल की अनुपलब्धता	
4	हिमाचल प्रदेश राज्य में हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर शकराल गाँव से ढल्ली खंड (डिजाइन लंबाई किमी 10.985 के लिए शिमला बाईपास-पैकेज-II पर किमी 146+300 से किमी 156+560 और किमी 0+000 से किमी 0+725) तक एनएच-5 को चार लेन का बनाना।	3005.24	51.54	54.04	कार्य प्रगति पर	लागू नहीं	-

*****